राजस्थान–सरकार

संस्कृत शिक्षा राजस्थान जयपुर

द्वितीय तल, ब्लाक 6, शिक्षा संकुल, जे.एल.एन मार्ग, जयपुर

☎: 0141–2704357 : 0141–2704358 email : dir-sans-rj@nic.in

क्रमांकः–निसंशि/शैक्ष–8/ विविध 139/2022/25054-60 दिनांक :– 1.8.2022

संभागीय संस्कृत शिक्षा अधिकारी
संभागीय कार्यालय, जयपुर, जोधपुर, उदयपुर
भरतपुर, कोटा, अजमेर, बीकानेर संभाग, (चूरू)

विषयः– राज्य सरकार द्वारा 'आजादी का अमृत महोत्सव' के अन्तर्गत दिनांक 12 अगस्त, 2022 को प्रातः 10.15 बजे राजस्थान राज्य के सभी विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र–छात्राओं द्वारा पूरे प्रदेश में एक समय में देशभक्ति के गीतों का गायन करने के संबंध में।

प्रसंगः– राज्य सरकार के पत्र क्रमांक पं.24(5) शिक्षा–6/एकेएम/2021 दिनांक 25.07.2022

प्रसंगोक्त विषयान्तर्गत लेख है कि राज्य सरकार द्वारा "आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम" के अन्तर्गत दिनांक 12.08.2022 को प्रातः 10.15 बजे से राजस्थान राज्य के समस्त विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र छात्राओं द्वारा पूरे प्रदेश मे एक समय में देश भक्ति के गीतों का गायन कराने का निर्णय लिया है। गायन संलग्न स्क्रिप्ट के अनुसार गाया जाना है:–

1. राष्ट्रगीत(वन्दे मातरम्)
2. सारे जहां से अच्छा, हिन्दोस्तां हमारा।
3. आओ बच्चों तुम्हें दिखाएं झांकी हिन्दुस्तान की।
4. झण्डा ऊँचा रहे हमारा।
5. हम होंगे कामयाब, हम होंगे कामयाब
6. राष्ट्रगान

अतः गाये जाने वाले उक्त गीतों की प्रति संलग्न कर आपको निर्देशित किया जाता है कि संभाग के अधीन संचालित समस्त संस्थाओं में इसी के अनुरूप प्रतियां समस्त विद्यालयों को प्रेषित प्रारूप में ही पहुंचाना सुनिश्चित करे तथा दिनांक 12 अगस्त, 2022 को आयोजित होने वाले कार्यक्रम हेतु पूर्व तैयारी हेतु उक्त गीतों का लय और ताल गायन का अभ्यास कराया जावें।

संलग्नः– उपरोक्तानुसार

(डॉ.भास्कर शर्मा)
निदेशक
संस्कृत शिक्षा राजस्थान, जयपुर

प्रतिलिपिः– निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है–

1.विशिष्ट सहायक ,माननीय शिक्षामंत्री,राजस्थान।
2.विशिष्ट सहायक,माननीय शिक्षा राज्यमंत्री,राज्य सरकार ।
3.निजि सचिव,अतिरिक्त मुख्य सचिव,स्कूल शिक्षा, जयपुर।
4.शासन उप सचिव, शिक्षा (ग्रुप–6)विभाग ,जयपुर।
5.वेब–साईट प्रभारी निदेशालय संस्कृत शिक्षा राजस्थान जयपुर वेब– साईट पर अपलोड करने हेतु।

(डॉ.शालिनी सक्सैना)
संयुक्त निदेशक
संस्कृत शिक्षा राजस्थान, जयपुर

भारत का राष्ट्रीय गीत

" वन्दे मातरम् !
सुजलां सुफलां मलयजशीतलां,
शस्यश्यामलाम् मातरम् ।
वंदेमातरम् वंदेमातरम्

शुभ्रज्योत्स्नापुलकितयामिनीं,
फुल्लकुसुमितद्रुमदलशोभिनीं,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीं,
सुखदां वरदां मातरम् ।। १ ।।
वंदेमातरम् वंदेमातरम् "

सारे जहाँ से अच्छा, हिन्दोस्ताँ हमारा————

सारे जहाँ से अच्छा, हिन्दोस्ताँ हमारा।
हम बुलबुलें हैं इसकी, यह गुलिस्ताँ हमारा ।।

गुरबत में हों अगर हम, रहता है दिल वतन में।
समझो वहीं हमें भी, दिल हो जहाँ हमारा ।। सारे...

परबत वो सबसे ऊँचा, हमसाया आसमाँ का।
वो संतरी हमारा, वो पासबाँ हमारा ।। सारे...

गोदी में खेलती हैं, उसकी हजारों नदियाँ।
गुलशन है जिनके दम से, रश्क–ए–जिनाँ हमारा ।। सारे....

मजहब नहीं सिखाता, आपस में बैर रखना।
हिन्दी हैं हम वतन हैं, हिन्दोस्ताँ हमारा ।। सारे...

आओ बच्चों तुम्हें दिखाएं झांकी हिंदुस्तान की .....

आओ बच्चों तुम्हें दिखाएं झांकी हिंदुस्तान की
इस मिट्टी से तिलक करो ये धरती है बलिदान की
वंदे मातरम, वंदे मातरम

उत्तर में रखवाली करता पर्वतराज विराट है
दक्षिण में चरणों को धोता सागर का सम्राट है
जमुना जी के तट को देखो गंगा का ये घाट है
बाट–बाट में हाट–हाट में यहाँ निराला ठाठ है
देखो ये तस्वीरें अपने गौरव की अभिमान की
इस मिट्टी से तिलक करो ये धरती हैं बलिदान की
वंदे मातरम, वंदे मातरम

ये हैं अपना राजपूताना नाज़ इसे तलवारों पे
इसने सारा जीवन काटा बरछी तीर कटारों पे
ये प्रताप का वतन पला है आज़ादी के नारों पे
कूद पड़ी थी यहाँ हज़ारों पद्मिनियाँ अंगारों पे
बोल रही है कण कण से कुर्बानी राजस्थान की
इस मिट्टी से तिलक करो ये धरती है बलिदान की
वंदे मातरम, वंदे मातरम

जलियाँवाला बाग ये देखो यहीं चली थी गोलियां
ये मत पूछो किसने खेली यहाँ खून की होलियां
एक तरफ़ बंदूकें दन दन एक तरफ थी टोलियां
मरनेवाले बोल रहे थे इंकलाब की बोलियां
यहां लगा दी बहनों ने भी बाजी अपनी जान की
इस मिट्टी से तिलक करो ये धरती है बलिदान की
वंदे मातरम, वंदे मातरम

ये देखो बंगाल यहां का हर चप्पा हरियाला है
यहां का बच्चा–बच्चा अपने देश पे मरनेवाला है
ढाला है इसको बिजली ने भूचालों ने पाला है
मुट्ठी में तूफान बंधा है और प्राण में ज्वाला है
जन्मभूमि है यही हमारे वीर सुभाष महान की
इस मिट्टी से तिलक करो ये धरती है बलिदान की
वंदे मातरम, वंदे मातरम

झण्डा ऊँचा रहे हमारा......

झण्डा ऊँचा रहे हमारा
विजयी विश्व तिरंगा प्यारा
झण्डा ऊँचा रहे हमारा
विजयी विश्व तिरंगा प्यारा

सदा शक्ती बरसाने वाला
प्रेम सुधा बरसाने वाला
वीरों को हर्षाने वाला
मातृ भूमी का तन मन सारा
मातृ भूमी का तन मन सारा
झण्डा ऊँचा रहे हमारा
विजयी विश्व तिरंगा प्यारा

स्वतंत्रता के भीषण रण में
रख कर जोश बढ़े क्षण–क्षण में
कांपे शत्रु देखकर मन में
मिट जाये भय संकट सारा
मिट जाये भय संकट सारा

झण्डा ऊँचा रहे हमारा
विजयी विश्व तिरंगा प्यारा
झण्डा ऊँचा रहे हमारा
विजयी विश्व तिरंगा प्यारा
झण्डा ऊँचा रहे हमारा
विजयी विश्व तिरंगा प्यारा

आ.. आ.. आ..
आओ प्यारे वीरों आओ
देश धर्म पर बलि–बलि जाओ
एक साथ सब मिल कर गाओ
प्यारा भारत देश हमारा
प्यारा भारत देश हमारा

झण्डा ऊँचा रहे हमारा
विजयी विश्व तिरंगा प्यारा
झण्डा ऊँचा रहे हमारा
विजयी विश्व तिरंगा प्यारा
झण्डा ऊँचा रहे हमारा
विजयी विश्व तिरंगा प्यारा

इसकी शान न जाने पाये
चाहे जान भले ही जाये
विश्व शान्ति कर के दिखलाएं
तब होवे प्रन पूर्ण हमारा
तब होवे प्रन पूर्ण हमारा

झण्डा ऊँचा रहे हमारा
विजयी विश्व तिरंगा प्यारा

सदा शक्ती बरसाने वाला
प्रेम सुधा बरसाने वाला
वीरों को हर्षाने वाला
मातृ भूमी का तन मन सारा
मातृ भूमी का तन मन सारा

झण्डा ऊँचा रहे हमारा
विजयी विश्व तिरंगा प्यारा
झण्डा ऊँचा रहे हमारा
विजयी विश्व तिरंगा प्यारा
झण्डा ऊँचा रहे हमारा
विजयी विश्व तिरंगा प्यारा

अंतर्राष्ट्रीय गीत – हम होंगे कामयाब, हम होंगे कामयाब....

हम होंगे कामयाब, हम होंगे कामयाब
हम होंगे कामयाब एक दिन
हो हो मन में है विश्वास
पूरा है विश्वास
हम होंगे कामयाब एक दिन
हम होंगे कामयाब, हम होंगे कामयाब
हम होंगे कामयाब एक दिन
हो हो मन में है विश्वास
पूरा है विश्वास
हम होंगे कामयाब एक दिन

होगी शान्ति चारों
होगी शान्ति चारों ओर
होगी शान्ति चारों ओर एक दिन
हो हो मन में है विश्वास
पूरा है विश्वास
होगी शान्ति चारों ओर एक दिन

हम होंगे कामयाब, हम होंगे कामयाब
हम होंगे कामयाब एक दिन
हो हो मन में है विश्वास
पूरा है विश्वास
हम होंगे कामयाब एक दिन

हम चलेंगे साथ साथ
डाले हाथों में हाथ
हम चलेंगे साथ साथ एक दिन
हो हो मन में है विश्वास
पूरा है विश्वास
हम चलेंगे साथ साथ एक दिन

हम होंगे कामयाब, हम होंगे कामयाब
हम होंगे कामयाब एक दिन
हो हो मन में है विश्वास
पूरा है विश्वास
हम होंगे कामयाब एक दिन

नहीं डर किसी का आज
नहीं भय किसी का आज
नहीं डर किसी का आज के दिन
हो हो मन में है विश्वास
पूरा है विश्वास
नहीं डर किसी का आज के दिन

हम होंगे कामयाब, हम होंगे कामयाब
हम होंगे कामयाब एक दिन
हो हो मन में है विश्वास
पूरा है विश्वास
हम होंगे कामयाब एक दिन

हम होंगे कामयाब, हम होंगे कामयाब
हम होंगे कामयाब एक दिन
हो हो मन में है विश्वास
पूरा है विश्वास
हम होंगे कामयाब एक दिन

भारत का राष्ट्रगान

जन–गण–मन अधिनायक जय हे,
भारत भाग्य विधाता ।
पंजाब–सिंध–गुजरात–मराठा,
द्राविड़–उत्कल–बंग
विंध्य हिमाचल यमुना गंगा,
उच्छल जलधि तरंग
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभाशीष मागे
गाहे तव जय गाथा।
जन–गण–मंगलदायक जय हे,
भारत भाग्य विधाता
जय हे! जय हे! जय हे ।
जय जय जय जय हे ।।